झारखंड सरकार 25 हजार सरकारी स्कूलों में केजी की पढ़ाई कराएगी, आदिवासी भाषाओं में दी जाएगी शिक्षा

July 24, 2017

Education | Jharkhand | Social | State

रांची। झारखंड की **रघुवर सरकार** ने एक अहम फैसला लेते हुए राज्य के 25 हजार सरकारी **प्राइमरी स्कूलों** में केजी की पढ़ाई शुरु करने का फैसला किया है। सरकार के शिक्षा विभाग की तरफ से कैबिनेट में इस प्रस्ताव को लाया गया , जिसपर कैबिनेट नं मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव में निर्णय लिया गया है कि राज्य में इसे शुशु सदन नाम के कार्यक्रम के तयत चलाया जाएगा। इस योजना में स्थानीय भाषा में बच्चों को शिक्षा दी जाएगी। इस योजना के तहत पांच से छह वर्ष के बच्चों को स्कूली शिक्षा केजी के तर्ज पर दी जाएगी।

ग्रामीण इलाके के बच्चे स्थानीय भाषा में **शिक्षा** पा सकें, इसके लिए जोर दिया जा एगा। इसमें सरकार की कोशिश है कि गीत-संगीत और नृत्य के माध्यम से बच्चों को स्कूली शिक्षा दी जाए, जिससे ज्यादा से ज्यादा बच्चे इस योजना में शामिल हो सके। राज्य में संथाली, हो , नागपुरी सहित स्थानीय भाषाओं में लगभग चार लाख बच्चों को पंजीकृत करने का लक्ष्य तय किया गया है।

स्कूली शिक्षा सचिव अराधना पटनायक का मानना है कि राज्य सरकार की इस योजना से राज्य के ग्रामीण इलाकों के बच्चों को स्कूल तक पहुंचाया जा सकेगा। सात ही साथ राज्य में ड्राप आउट बच्चों की संख्या को भी कम किया जा सकेगा। योजना के मॉडल को कुछ इस तरह से तैयार किया गया है जिससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़े और वे घर से निकलकर स्कूल आने में कोताही नहीं बरतें।